www.naidunia.com

नवदुनिया

भोपाल (नवदुनिया), इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर, बिलासपुर और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय संस्करण) से एकसाथ प्रकाशित

26

05 Jan, 2015

भोपाल
सोमवार 05 जनवरी 2015
पौष शुक्ल 15 संवत् 2071 शके 1936
वर्ष 07 । अंक 235 । नगर संस्करण
कीमत ₹ 2.50
कुल पृष्ठ 14+4=18

नापाक इरादों का

न्यूज गैलरी

सांची यूनिवर्सिटी में आज गुरू होंगी क्लासेस

भोपाल (नप्र)। सांची बौद्ध यूनिवर्सिटी में सोमवार से क्लासेस लगनी शुरू हो जाएंगी। पहला कोर्स बौद्ध दर्शन पर कराया जाएगा। इस बैच में 14 छात्रों का चयन किया गया है। यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट डायरेक्टर पीआर विजय दुबे ने बताया कि यूनिवर्सिटी शुरुआत में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करेगी। इसके बाद ग्रेजुएट और पीएचडी कोर्स शुरू किए जाएंगे। गौरतलब है कि यूनिवर्सिटी की आधारशिला श्रीलंका के राष्ट्रपति महेंद्रा राजपक्षे ने 21 सितंबर, 2012 को रखी थी।

क्लासेस 12 फरवरी से, पहले बौद्ध दर्शन फिर संस्कृत दर्शन पर कोर्स होगा शुरू

सांची यूनिवर्सिटी में संस्कृत सीख सकेंगे विदेशी छात्र

भोपाल (नप्र)। सांची यूनिवर्सिटी में विदेशी छात्रों को संस्कृत सिखाई जाएगी। इसके लिए एडमिशन की प्रक्रिया पूरी भी हो गई है। इनकी क्लासेस 12 फरवरी से शुरू हो जाएंगी। बौद्ध दर्शन के बाद 12 फरवरी से संस्कृत दर्शन पर कोर्स शुरू होगा। इसमें 15 सीटें हैं। इनमें एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इस कोर्स के लिए अधिकतर विदेशी छात्र चयनित हुए हैं। इसके बाद 15 मार्च से कश्मीर पर कोर्स शुरू होगा। कोर्स की फीस तीन हजार रुपए निर्धारित की गई है।

यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट डायरेक्टर पीआर विजय दुबे ने बताया कि सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिस्ट-इंडिक स्टडीज छठी से लेकर सोहलवीं शताब्दी तक भारत और इसके पड़ोसी देशों में प्रचलित हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र की पढ़ाई कराएगा। विवि द्वारा हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र नाम से तीन महीने का नया कोर्स शुरू किया जा रहा है। यह कोर्स खासतौर से बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा की देखरेख में तैयार किया जा रहा है। इस कोर्स में तंत्र की उत्पत्ति के साथ ही इसकी शक्तियों और दुनिया भर में इस विद्या को लेकर फैली गलतफहमियों के बारे में बताया जाएगा।

रायसेन के गांव बारला में शुभारंभ आज

कोर्स का उद्घाटन समारोह सोमवार सुबह 10 बजे से रायसेन जिला स्थित ग्राम बारला में किया जाएगा। मुख्य अतिथि संस्कृति राज्य मंत्री सुरेंद्र पटवा होंगे। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति समदोंग रिनपोछे और कुलपति डॉ. शशि प्रभा कुमार भी मौजूद रहेंगी।

ये कोर्स होंगे

- विवि रेकी,, विपश्यना व उननिषदों पर भी कोर्स शुरू करने की तैयारी कर रहा है।
- एक अन्य महत्वपूर्ण कोर्स कौटिल्य के अर्थशास्त्र भर भी शुरू किया जा रहा है। यह कोर्स खासतौर से कॉरपोरेट सेक्टर को ध्यान में रखते हुए ही शुरू किया जा रहा है।

विवि द्वारा इस कोर्स का सिलेबस प्राचीन हिंदू और बौद्ध साहित्य के आधार पर डिजाइन किया जाएगा। दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी देशों जैसे भारत, पाकिस्तान, तिब्बत, नेपाल, चीन, जापान, भूटान, कोरिया, मंगोलिया, कंबोडिया, म्यांमार और इंडोनेशिया में यह तंत्र विद्या छठी से लेकर सोहलवीं शताब्दी तक प्रचलित थी और वर्तमान भी प्रचलन में है। इस विद्या का वेदों में खास स्थान है और इसे लेकर कई तरह की भ्रांतियां समाज में फैली हैं। इन्हीं के प्रति समाज को जागरूक करने का काम यह कोर्स करेगा।

रिसर्च भी कराएगा विवि: विवि में स्नातक कोर्स फिलहाल शुरू नहीं किए जाएंगे। विवि अभी जो कोर्स शुरू कर रहा है, इन्हीं पर रिसर्च भी कराएगा। उन्होंने इसमें दो से तीन साल लगने की बात कही है। विवि ने सत्र की शुरुआत बुद्धिज्म, लर्निंग संस्कृत लैंग्वेज, इंडियन फिलॉसफी और कश्मीर शैविज्म कोर्स से की है। इन कोर्सेस के बाद विवि बौद्ध देशों की भाषाओं में डिप्लोमा कोर्स शुरू करेगा। शुरुआत पाली, प्राकृत और संस्कृत से की जाएगी। इसके बाद चीनी, जापानी, सिंहली भाषा में डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा।

भोपाल . सोमवार. 05.01.2015

पत्रिका सिटी पत्रिका

सूर्यास्त आज शाम 05:49 बजे
सूर्योदय कल सुबह 07:04 बजे

06: 08 बजे
07: 05 बजे

05 Jan, 2015

बौद्ध विवि का उद्घाटन आज

भोपाल. सांची बौद्ध भारतीय अध्ययन विश्वविद्यालय सोमवार से शैक्षणिक सत्र शुरू कर रहा है। विवि पहले सर्टिफिकेट कोर्स की शुरुआत धूमधाम से कर रहा है। इसमें मुख्य अतिथि वनमंत्री गौरी शंकर शेजवार, विवि कुलाधिपति समदोंग रिनपोछे, कुलपति डॉ. शशिप्रभा कुमार सहित विवि स्टॉफ शामिल रहेंगे। विवि का पहला सर्टिफिकेट कोर्स भारतीय बौद्ध दर्शन है। विवि प्रशासन ने पूरे भारत से 15 छात्रों का चयन कोर्स के लिए किया है। देश का पहला बौद्ध विश्वविद्यालय लगभग 200 करोड़ की लागत से तैयार हुआ है। विवि के जनसंपर्क अधिकारी विजय दुबे के अनुसार विवि अगले शैक्षणिक सत्र से नियमित कोर्स शुरू करने की तैयारी कर रहा है। प्राचीन भारतीय ज्ञान से जुड़े अध्ययन को आगे बढ़ाने और दुनियाभर के शिक्षाविदों, लेखकों, दार्शनिक, रिसर्चर्स को एक जगह मुहैया कराना विवि का उद्देश्य है।

www.naidunia.com

नवदुनिया

भोपाल (नवदुनिया), इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर, बिलासपुर और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय संस्करण) से एकसाथ प्रकाशि

05 Jan, 2015

भोपाल
सोमवार 05 जनवरी 2015
पौष शुक्ल 15 संवत् 2071 शके 1936
वर्ष 07 । अंक 235 । नगर संस्करण
कीमत ₹ 2.50
कुल पृष्ठ 14+4=18

नापाक इरादों का

न्यूज गैलरी

सांची यूनिवर्सिटी में आज से शुरू होंगी क्लासेस

भोपाल (नप्र)। सांची बौद्ध यूनिवर्सिटी में सोमवार से क्लासेस लगनी शुरू हो जाएंगी। पहला कोर्स बौद्ध दर्शन पर कराया जाएगा। इस बैच में 14 छात्रों का चयन किया गया है। यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट डायरेक्टर पीआर विजय दुबे ने बताया कि यूनिवर्सिटी शुरुआत में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करेगी। इसके बाद ग्रेजुएट और पीएचडी कोर्स शुरू किए जाएंगे। गौरतलब है कि यूनिवर्सिटी की आधारशिला श्रीलंका के राष्ट्रपति महेंद्रा राजपंक्षे ने 21 सितंबर, 2012 को रखी थी।

दैनिक भास्कर भोपाल

भोपाल . सोमवार 5 जनवरी, 2015 5

05 Jan, 2015

सांची विवि में आज से सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

भोपाल| सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में सोमवार से बुद्धिज्म सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होगा। वन मंत्री गौरीशंकर शेजवार एवं संस्कृति राज्य मंत्री सुरेंद्र पटवा कोर्स के उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। सुबह 10 बजे से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति समदोंग रिनपोछे करेंगे।

यूनिवर्सिटी में बुद्धिज्म के साथ-साथ इंडियन फिलॉसफी सर्टिफिकेट कोर्स 12 जनवरी से शुरू होगा। इस कोर्स में स्टूडेंट्स एडमिशन ले सकते हैं। 12 फरवरी से संस्कृत और मार्च में कश्मीर शैविज्म सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होगा। संस्कृत के लिए 21 जनवरी तक आवेदन जमा किए जा सकते हैं। वहीं, कश्मीर शैविज्म के लिए अंतिम तिथि 21 फरवरी है। सभी सर्टिफिकेट कोर्स की फीस 3000 रुपए है। छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.sanchiuniv.org.in से जानकारी ले सकते हैं।

22

नया ज़माना नया अखबार

■ वर्ष-6 अंक-313 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य ₹ 3 ■ विक्रम 2071, हिजरी 1436, पौष शुक्ल

पीपुल्स समाचार

twitter.com/PSamachar facebook.com/PEOPLESSAMACHAR1

भोपाल
सोमवार 5 जनवरी 2015

05 Jan, 2015

सांची विवि में नए कोर्स की शुरुआत आज से

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय सोमवार से बुद्धिज्म पाठ्यक्रम की कक्षाएं शुरू करेगा। एक माह का ये पाठ्यक्रम विवि के बारला स्थित विवि परिसर में समारोह पूर्वक शुरू किया जाएगा। इसके बाद सांची बौद्ध विवि अन्य सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करेगा। सोमवार को बारला स्थित परिसर में प्रदेश के वन मंत्री गौरीशंकर शेजवार और विवि के कुलाधिपति और कुलपति मौजूद रहेंगी। इस कोर्स के बाद इंडियन फिलॉसफी, संस्कृत भाषा ज्ञान, कश्मीर शैव दर्शन जैसे कोर्स भी शुरू किए जाएंगे।

21

05 Jan, 2015

The Hitavada
BHOPAL ■ Monday ■ January 5 ■ 2015

BRIEFS

Sanchi University to start first certificate course on Buddhist philosophy from today

■ Staff Reporter

SANCHI University of Buddhist-Indic Studies is going to start first certificate course on Buddhist Philosophy from Monday. The certificate course on Monday will be launched by Surendra Patwa, Minister of Tourism and Culture in the presence of Dr Gauri Shankar Shejwar, Minister of Forest, Bio Diversity and Bio-Technology.

भोपाल
सोमवार 5 जनवरी 2015,
(पौष शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, संवत 2071)
वर्ष 10 अंक 308, पृष्ठ 14+4=18, मूल्य ₹ 2.00

05 Jan, 2015

सच कहने का साहस और सलीका
राज एक्सप्रेस

२०

सांची विश्वविद्यालय में आज से पाठ्यक्रमों का अध्ययन होगा शुरू

भोपाल (आरएनएन)। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय सोमवार से बुद्धिज्म पाठ्यक्रम की कक्षाएं शुरू करने जा रहा है। यह कोर्स एक माह का होगा। इसे सारनाथ बनारस के सीयूटीएस के पूर्व कुलपति प्रो. एनजी सेमतन अध्ययन कराएंगे। यह कोर्स 5 जनवरी 2015 से शुरू हो रहा है। हालांकि, पहले यह कोर्स दो माह का रखा गया था, लेकिन विद्यार्थियों की संख्या और अन्य कारणों से इसे एक माह का किया जा रहा है।

जल्द ही यहां रेकी में भी सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होगा, जो विश्व में और कहीं नहीं है। सोमवार 5 जनवरी के बाद से विवि में शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्सेस संचालित किए जाएंगे। विवि प्रशासन कोर्स में एडमिशन के लिए 25 नवंबर 2014 से ही ऑनलाइन फॉर्म अपनी वेबसाइट उपलब्ध करा दिए थे।

सांची विवि में गुरुकुल और मॉडर्निटी की अध्ययन शैली का समावेश करेगा। प्राचीन काल में गुरुकुल में रहकर शिष्य अध्ययन करते थे, भोजन साथ करते थे और अभ्यास साथ करते थे, ठीक इसी प्रकार विवि में कोर्स से संबंधित अभ्यास भी होगा।

■ डॉ. राजेश गुप्ता, रजिस्ट्रार, सांची विवि

यह कोर्स होंगे शुरू

इंडियन फिलॉसफी : कोर्स की अवधि दो महीने की है। दिल्ली विवि के फिलॉसफी विभाग के पूर्व हेड प्रो. एसआर भट्ट अध्ययन कराएंगे। यह कोर्स 12 जनवरी 2015 से शुरू होगा।

संस्कृत भाषा ज्ञान: सांची बौद्ध विवि मप्र की कुलपति प्रो. शशि प्रभा कुमार अध्ययन कराएंगी। यह कोर्स 12 फरवरी 2015 से शुरू होगा। कोर्स की अवधि दो माह है।

कश्मीर शैव दर्शन : सामवेदालय बनारस के निदेशक प्रो. बैटिना ब्यूमर विद्यार्थियों को अध्ययन कराएंगे। यह कोर्स 15 मार्च 2015 से शुरू होगा।

06 Jan, 2015

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की हुई शुरुआत

'भारतीय दर्शन को नेतृत्व देगा विवि'

सोमवार को सांची स्थित बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी में अनेक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। यह पाठ्यक्रम दो माह के हैं।

हरिभूमि न्यूज. भोपाल

'किसी चीज को मानना जरूरी नहीं है उसे अपने विवेक से जानना आवश्यक है अर्थात् उसे सच मत मानना जो मैने कहा बल्कि जानकर ही मेरे कहे को सच मानें' यह कहना है कि सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. समदोंग रिनपोछे का।

वे सोमवार को विवि के प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की शुरूआत के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सामान्यतः आध्यात्मिकता को आधुनिक शिक्षा अध्ययन में छोड़ दिया जाता है क्योंकि आध्यात्मिक शिक्षा गरु शिष्य परंपरा में ही संभव है। विवि का उद्देश्य 7000 साल पुरानी भारतीय विद्या के उन्नयन के साथ बौद्ध और भारतीय दर्शन को प्रमाणिक नेतृत्व प्रदान करना है।

विवि के पहले प्रमाण-पत्र कोर्स बौद्ध दर्शन का उद्घाटन रायसेन जिला स्थित बारला कैंपस में स्थित विवि कैंपस में हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर वन, जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव विविधता मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार उपस्थित रहे।

वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि के कुलाधिपति समदोंग रिनपोछे ने की। समारोह में श्रीलंका महाबोधी सोसायटी के पूज्य एन चंद्ररत्न थैरो भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई।

भोपाल। सांची में बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी के प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मंच पर उपस्थित अतिथि।

मात्रा की बजाय गुणवत्ता पर जोर देगा विश्वविद्यालय

स्वागत भाषण देते हुए सांची विवि की कुलपति प्रो. डॉ शशिप्रभा कुमार ने विवि के उद्देश्य और स्थापना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बौद्ध और भारतीय दर्शन अध्ययन की नई ऊंचाई पर ले जाने की दिशा में विवि काम करेगा। यहां छात्रों की मात्रा की बजाय गुणवत्ता पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री गौरीशंकर शेजवार ने कहा कि उनके लिए ये दोहरी खुशी है क्योंकि विवि उनके निर्वाचन क्षेत्र में खुल रहा है और दूसरा भारतीय अध्ययन प्रणाली पर आधारित होगा।

14 छात्रों ने कराया बौद्ध दर्शन के लिए रजिस्ट्रेशन

विवि का पहला प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम बौद्ध दर्शन में 14 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है जिसमें से 5 छात्राएं है। इस कोर्स के निदेशक केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के पूर्व कुलपति प्रोफेसर नेगी सेमटेन है। रजिस्ट्रेशन कराने वाले अधिकतर छात्र जवाहरलाल नेहरू विवि नई दिल्ली के छात्र है जो वहां से एमफिल और पीएचडी कर रहे है।

विवि के प्रथम छात्र बनने पर हम अपने आप को गौरवान्वित समझ रहे हैं। यहां का वातावरण भी किसी गुरुकुल की तरह है। ताकि हम इस विवि में ऊर्जावान अध्ययन कर सके।

-डॉ. सुरेश कुमार, छात्र

पहला छात्र बनने का मौका मिलने पर अच्छा लग रहा है यहां भारतीय संस्कृति से रूबरू होने के लिए कापफी अच्छा वातावरण है। कैंपस में हमेशा शांति का माहौल रहता है।

-अनिल कुमार आर्य, छात्र

आज हम भारतीयता खो रहे हैं : समदोंग रिनपोछे

प्रो. समदोंग रिनपोछे

निर्वासित तिब्बत सरकार के पूर्व प्रधानमंत्री एवं बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी (मप्र) के चांसलर प्रो. समदोंग रिनपोछे से विशेष बातचीत

भोपाल। हिंदी और भारत का विकास यह दोनों ऐसे मुद्दे हैं, जिससे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहम माना था, लेकिन अब प्रधानमंत्री स्वयं अंग्रेजी बोलने लगे हैं। ऐसी स्थिति में हिंदी का महत्व कम होता जा रहा है। मोदी जी से हिंदी को महत्व देने की जितनी अपेक्षाएं थीं वे उसमें उतने खरे नहीं उतर पाए हैं।

यह बात सोमवार को हरिभूमि से विशेष चर्चा के दौरान निर्वासित तिब्बत सरकार के पूर्व प्रधानमंत्री एवं बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी (मप्र) के चांसलर प्रो. समदोंग रिनपोछे ने कही। वे सोमवार को बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी में प्रमाण पत्र कोर्स का उद्घाटन करने आए हुए थे। वे देश के विकास के लिए बेहतर काम कर रहे हैं, लेकिन अब वे भी विदेश में जाकर अंग्रेजी बोलने लगे हैं, जबकि अन्य देशों के राष्ट्रपति अपनी मातृभाषा को ही महत्व देते हैं। अंग्रेजी बोलने से वे बचते हैं। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि हमारा देश अमरिका और चीन की बराबरी करते हुए भारतीयता को खोता जा रहा है। पेश हैं प्रो. समदोंग रिनपोछे से चर्चा के कुछ अंश...

***प्रश्न** : हिंदी को बढ़ावा देने के लिए जितने प्रयास किए जा रहे हैं, सब बेअसर साबित हो रहे हैं। इस संबंध में आप क्या कहना चाहेंगे?*

उत्तर – हमारे देश में कई साल मुगलों ने शासन किया, लेकिन उनकी रूचि सिर्फ अर्थ लाभ लेने में रही। जब ब्रिटिश भारत आए और यहां शासन करना शुरू किया, तो उन्होंने दूर की सोची, जिसके चलते मैकोली ने जो शिक्षा पद्धति बनाई उसे उसने भारतीय लोगों के दिल और दिमाग में जबरदस्ती घुसा दी। जिससे यहां की क्षेत्रीय भाषाओं में बंटवारा होने लगा, जिसका असर यह हुआ कि दो प्रांत को जोड़े रखना है, तो उन्हें अंग्रेजी का प्रयोग करना पड़ेगा। यहां से हिंदी को दमजोर होना जो शुरू हुआ वह आज भी चला आ रहा है। गांधी जी ने भी हिंदी को हिंदुस्तानी भाषा के रूप में संपन्न करने के लिए अनेक प्रयास किए थे, लेकिन अधिकतर बार वे भी असफल रहे। हिंदी को बढ़ाने के लिए हमें आपनी मनः स्थिति को सुदृढ़ कर अंग्रेजी के इस असर को कम करना होगा।

***प्रश्न** : प्रधानमंत्री से हिंदी को बढ़ाने के लिए क्या अपेक्षाएं हैं ?*

उत्तर – मोदी जी से हिंदी को बढ़ावा देने के लिए जितनी अपेक्षाएं थी, वह उसमें उतने खरे नहीं उतरे। अब तो वे अपने भाषण में भी अंग्रेजी के ज्यादा शब्दों का प्रयोग करने लगे हैं, जबकि अन्य देशों के राष्ट्रपति अपनी मातृभाषा को ही महत्व देते हैं। उदाहरण के तौर पर जब मैं रसिया के एक प्रांत कालिक गया, तो वहां के राष्ट्रपति से मुलाकात की। तब वह एक अनुवादक को लाए और अपनी मातृभाषा में ही उन्होंने आधा घंटे बात की। इसलिए मोदी जी को भी अपनी मातृभाषा का प्रयोग करना चाहिए और जिसे हिंदी नहीं आती है उसके लिए एक अनुवादक के माध्यम से अपनी बात रखना चाहिए।

पत्रिका

भोपाल, मंगलवार
06 जनवरी 2015
माघ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, संवत् 2071

सहमति

मांगने वाली में कौन?...11

06 Jan 2

शुरुआत | उद्घाटन सत्र में पहला सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

बौद्ध विवि का सांची में आगाज

भोपाल
citynepoter.bhopal@patrika.com

प्राचीन भारतीय दर्शनशास्त्र और संस्कृति के संवर्धन के लिए सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की शुरुआत हो गई है। तत्कालीन लोकप्रियता के लिए विवि को नही खोला गया है।

इसका परिणाम 100 वर्ष के बाद नजर आएगा। भारतीय ज्ञान और अध्यापन को 200 वर्ष के विदेशी शासन से बहुत नुकसान हुआ है। विवि में पूरी तरह आध्यात्म पर काम होगा। सांची मे देश के पहले बौद्ध विवि के उद्घाटन सत्र मे कुलाधिपति प्रो. समदोंग रिनपोछे ने यह विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार ने दोहरी खुशी जाहिर करते हुए कहा, पहला ये कि विवि उनके निर्वाचन क्षेत्र में खुला है और दूसरा यह भारतीय अध्ययन प्रणाली पर आधारित है।

विवि के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रो. वेनेरबल समदोंग रिनपोछे।

14 छात्र हुए रजिस्टर्ड

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का पहला कोर्स बौद्ध दर्शन पर है। कोर्स के निदेशक केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के पूर्व कुलपति प्रोफेसर गेशे सेमटेन हैं। इस कोर्स में अध्ययन के लिए पांच छात्राओं सहित 14 छात्रों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें से ज्यादातर छात्र जवाहरलाल नेहरू विवि, नई दिल्ली के है।

कोर्स होंगे अभी शुरू

12 जनवरी	भारतीय दर्शन
12 फरवरी	संस्कृत
15 मार्च	कश्मीर सांख्यवाद

हिन्दी को बढ़ावा देना है तो इसी भाषा में हो काम

■ बौद्ध विवि के कुलाधिपति रिनपोछे से खास बातचीत

भोपाल, तिब्बत सरकार के पहले निर्वाचित पूर्व प्रधानमंत्री प्रो. वेनेरबल समदोंग रिनपोछे ने भारत में सभी काम हिन्दी में करने की वकालत की है। उन्होंने पत्रिका के साथ हिंदी उत्थान और सरकार के विकास मॉडल पर चर्चा की।

■ वैश्विक परिदृश्य में अंग्रेजी को मिलने वाला बढ़ावा कितना उचित है?

ब्रिटिश सरकार ने दूरदर्शिता दिखाते हुए भारत की मौलिकता को नष्ट नही किया, लेकिन लोगों के दिलो दिमाग में अंग्रेजी को इस कदर बैठा दिया है कि हम अंग्रेजी बोलने में गौरव महसूस करते हैं। गांधी जी ने जरूर प्रयास किया, लेकिन सफल नही हो सका।

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार के हिंदी इस्तेमाल होने से कुछ होगा?

यह सही है कि अटल बिहारी बाजपेयी के बाद संरा सम्मेलन में उन्होंने हिंदी में उद्बोधन दिया। हालांकि उनका प्रयास अधूरा है। सिर्फ हिंदी में ही सभी काम होने चाहिए।

■ सरकार का विकास मॉडल क्या अपना लक्ष्य हासिल कर सकेगा?

ज्यादातर लोग मुझे विकास विरोधी मानते हैं। स्वराज की गांधी अवधारणा सही थी। अब पाश्चात्य की तरफ हमारा झुकाव है। प्रश्न लक्ष्य का नहीं। सवाल यह है कि भारतीयों के लाभ-हानि का मूल्यांकन नहीं हो रहा। हम भारतीय है यह आत्मविश्वास ही विकास का मापदण्ड होना चाहिए।

Bhopal, Tuesday, January 6, 2015 3

Central Chronicle City News

06 Jan, 2015

Buddhist University to benefit society, country and entire world

Staff Reporter, Bhopal

Forest Minister Dr. Gaurishankar Shejwar has said that Sanchi Buddhist and Indic Studies University has been established for various objectives including dissemination of knowledge, philosophy, culture, studies and researches which will benefit society, country and entire world. Dr. Shejwar was inaugurating the maiden academic session of the university at village Barla in Raisen district today.

Dr. Shejwar said that the conclusions drawn from dissemination of knowledge, philosophy, culture, studies and researches will play an important role in re-establishment of our public welfare values and culture. He said that our culture will be preserved and flowing when people become patriotic. We should be grateful towards whatever we get from nature. He extended best wishes to newly admitted students.

First arrangement of comprehensive Buddhist studies

Chancellor Shri S. Rimpoche said that arrangements for comprehensive Buddhist studies existed nowhere till date. The conclusions drawn from studies and researches at the university will guide society. The Chancellor said that any culture or tradition must be practiced apart from having knowledge about it. Researches and studies will be made logically at the university, which will enrich Buddhist-Indian culture.

University to have 8 courses

Vice-Chancellor Dr. Shashi Prabha Kumar informed that it has been decided to open the university with 8 courses. In the first phase, course on Buddhist philosophy was started from today in which 13 students from all over the country have taken admission.

The Hitavada
BHOPAL ■ Tuesday ■ January 6 ■ 2015

CityLine

06 Jan, 2015

Dr Shejwar inaugurates maiden academic session of Sanchi Buddhist University

■ Staff Reporter

FOREST Minister Dr Gaurishankar Shejwar has said that Sanchi Buddhist and Indic Studies University has been established for various objectives including dissemination of knowledge, philosophy, culture, studies and researches which will benefit society, country and entire world. Dr Shejwar was inaugurating the maiden academic session of the university at village Barla in Raisen district on Monday.

Dr Shejwar said that the conclusions drawn from dissemination of knowledge, philosophy, culture, studies and researches will play an important role in re-establishment of our public welfare values and culture. He said that our culture will be preserved and flowing when people become patriotic. We should be grateful towards whatever we get from nature. He extended best wishes to newly-admitted students.

Chancellor S Rimpoche said that arrangements for comprehensive Buddhist studies existed nowhere till date. The conclusions drawn from studies and researches at the university will guide society. The Chancellor said that any culture or tradition must be practiced apart from having knowledge about it. Researches and studies will be made logically at the university, which will enrich Buddhist-Indian culture.

Vice-Chancellor Dr Shashi Prabha Kumar informed that it has been decided to open the university with 8 courses. In the first phase, course on Buddhist philosophy was started from on Monday in which 13 students from all over the country have taken admission. In the next phase from January 12, course on Indian philosophy will be inaugurated. University's Registrar Rajesh Gupta was also present on the occasion.

Forest Minister Dr Gaurishankar Shejwar inaugurating the function in Sanchi Buddhist and Indic Studies University on Monday.

वर्ष 58 ▸▸ अंक 129 ▸▸ पृष्ठ 18+8=26
भोपाल, मंगलवार 6 जनवरी, 2015
▸▸ माघ कृष्णपक्ष 1, विक्रम संवत 2071
▸▸ महानगर

06 Jan 2015

२७

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

हर का विस्तार ▸▸ 3 हनीमून की र

सात हजार साल पुरानी भारतीय विद्या को देंगे प्रमाणिक नेतृत्व

▸ विवि से गुरु शिष्य परंपरा का खासा महत्व है और आचार्य शिक्षा को नया प्रतिमान मिलेगा

राय सेन। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का उद्देश्य सात हजार साल पुरानी भारतीय विद्या के उन्नयन के साथ बौद्ध और भारतीय दर्शन को प्रमाणिक नेतृत्व प्रदान करना है। ये कहना है विवि के कुलाधिपति समदोंग रिनपोछे का। वे विवि में सोमवार से शुरू हुए प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के शुभारंभ कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहाकि मेरे कथन को अपने विवेक से जानना अर्थात जो भी कहा उसे सच मत मानना और जानकर ही किसी चीज को मानना।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव विविधता मंत्री डॉ गौरीशंकर शेजवार ने शिरकत की। समारोह में श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के एन चंद्ररत्न थैरो भी विशिष्ट अतिथि के बतौर मौजूद थे। कुलपति प्रो. डॉ शशिप्रभा कुमार ने कहाकि विवि बौद्ध और भारतीय दर्शन अध्ययन को नई ऊंचाई पर ले जाने की दिशा में काम करेगा। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय अध्ययन पद्धति में गुरु शिष्य परंपरा का खासा महत्व है और आचार्य शिक्षा को नया प्रतिमान देते है। कुलपति महोदया ने मात्रा की बजाय गुणवत्ता पर भी जोर देने की बात कही। मंत्री श्री शेजवार ने कहाकि भारतीय संस्कृति में कृतज्ञता ज्ञापन का बड़ा महत्व है और विवि प्राचीन ज्ञान की परंपरा को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने में सफल होगा।

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का पहला कोर्स बौद्ध दर्शन पर है जिसके कोर्स निदेशक केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के पूर्व कुलपति प्रोफेसर गेशे सेमटेन हैं। इस कोर्स में अध्ययन के लिए 14 छात्रों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है जिसमें 5 छात्राएं भी शामिल हैं। कोर्स में शामिल डॉ प्रशांत पाठक मेडिकल प्रैक्टिशनर हैं।

दिल्ली से आए डिप्लोमा करने : कोर्स के दौरान सभी छात्र-छात्राएं विवि के बारला कैंपस के हास्टल में ही रहेंगे। इनमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली के छात्र हैं, जो कि वहां से एमफिल और पीएचडी कर रहे हैं। 12 जनवरी से भारतीय दर्शन का कोर्स शुरू हो रहा है, जो 11 फरवरी तक चलेगा। 12 फरवरी से संस्कृत तथा 15 मार्च से कश्मीर सांख्यवाद कोर्स शुरू होगा। संस्कृत भाषा और कश्मीर सांख्यवाद के कोर्स का रजिस्ट्रेशन 4 जनवरी से शुरु हो गया है। इस कोर्स के लिए जर्मनी और पोलेंड विद्यार्थी शामिल होंगे।

पीपुल्स समाचार {03}

भोपाल, मंगलवार 6 जनवरी 2015

06 Jan, 2015

एक घंटा योग और मेडिटेशन की दी जाएगी शिक्षा

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल
editor@peoplessamachar.co.in

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में सोमवार से प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की शुरुआत हो गई। रायसेन जिले के सांची विवि के बारला कैंपस में पाठ्यक्रम का उद्घाटन वन मंत्री गौरीशंकर शेजवार ने किया। इस मौके पर विवि के चांसलर समदोंग रिनपोछे और विवि की कुलपति डॉ. शशिप्रभा कुमार भी मौजूद रहीं। प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का पहला शुरू किया गया कोर्स बौद्ध दर्शन पर आधारित है, जिसके निदेशक प्रोफेसर गेशे सेमटेन हैं। इस कोर्स में 14 छात्रों ने दाखिला लिया है। इनमें से ज्यादातर छात्र जवाहरलाल नेहरू विवि, नई दिल्ली के छात्र हैं, जो फिलहाल एमफिल और पीएचडी कर रहे हैं। कोर्स पूरा करने के दौरान सभी विद्यार्थियों बारला स्थित विवि परिसर के छात्रावास में ही रहना होगा। कोर्स के दौरान छात्रों को रोजाना एक घंटे योगा और मेडिटेशन की शिक्षा भी दी जाएगी।

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की शुरुआत के मौके पर विधायक एवं मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार।

एक-दूसरे की संस्कृति जानेंगे बच्चे

भोपाल। देश की संस्कृति को बच्चों के कोमल हृदय में उतारने का काम बालरंग महोत्सव करेगा। लगातार तीन दिन तक चलने वाले इस आयोजन के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले बच्चे संस्कृति का आदान-प्रदान करेंगे। बालरंग महोत्सव का आयोजन 9 जनवरी से 11 जनवरी तक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के साथ होगा। इस आयोजन की शुरुआत नौ जनवरी से की जा रही है। राजधानी के विभिन्न स्कूलों के बच्चे आयोजन स्थल पर विभिन्न राज्यों की संस्कृति को समेटे हुए अन्य प्रदेशों के रीति-रिवाज व संस्कृति को प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान बाल पत्रकार कार्यक्रम की रिपोर्टिंग करेंगे और हर जानकारी को दर्शकों तक पहुंचाने में आयोजकों की मदद करेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग के संभागीय संयुक्त संचालक डीएस कुशवाह एवं संभागीय लोक शिक्षण कार्यालय के सहायक संचालक प्रशांत डोलस ने कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रदेशों के बीच जीवंत संपर्क बनाने में यह कार्यक्रम अहम भूमिका अदा करता है। इस बार बाल महोत्सव में 21 राज्य सम्मिलित होंगे। बालरंग का पहला आयोजन 26 जनवरी 1996 को किया गया था।

आप पढ़ रहे हैं देश का नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

र सहित)

भोपाल

मंगलवार, 6 जनवरी, 2015
माघ कृष्ण तिपदा, 2071

16

भोपाल . मंगलवार 6 जनवरी, 2015

समाज का मार्गदर्शन करेंगे बौद्ध विवि के शोधः शेजवार

यूनिवर्सिटी में सोमवार से हुई पढ़ाई की शुरूआत

नगर संवाददाता | भोपाल

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान-अध्ययन विश्वविद्यालय में धर्म, दर्शन, ज्ञान के अध्ययन और शोध से जो निष्कर्ष निकलेंगे, उनकी हमारे लोक-कल्याणकारी मूल्यों और संस्कृति की पुनःस्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह कहना है वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार का। वे सोमवार को विवि के बौद्ध दर्शन पाठ्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिन उद्देश्यों को लेकर विवि की स्थापना की गई है, उससे समाज, देश और समूचा विश्व लाभान्वित होगा।

कुलाधिपति एस. रिम्पोचे ने कहा कि किसी भी संस्कृति या परम्परा को केवल मानना ही नहीं, बल्कि उसे जानना और अपनाना चाहिए। विश्वविद्यालय की स्थापना से ज्ञान, दर्शन, संस्कृति की परंपराओं का तार्किक आधार पर शोध किया जा सकेगा, जो बौद्ध-भारतीय संस्कृति को समृद्ध करेगा।

आठ कोर्स शुरू होंगे

कुलपति डॉ. शशिप्रभा कुमार ने बताया कि आठ कोर्स के साथ विश्वविद्यालय का शुभारंभ करने का निर्णय लिया गया है। पहले चरण में बौद्ध दर्शन पर आधारित कोर्स सोमवार से शुरू हो गया है। इस कोर्स में देश भर से 13 छात्रों ने प्रवेश लिया है।